अनिरुद्ध तिवारी

डिजिटल इंडिया

नवोन्मेष की यह दृढ़ आशा,
रचेगी भारत की एक नई परिभाषा।
विकास की इस रफ्तार में शामिल होगी हर भाषा,
उत्पाद और सेवाओं की अब पूरी होगी हर अभिलाषा।।

इस नवोन्मेष का आधार बनेगी सूचना प्रौद्योगिकी,
दूर-संचार और इंटरनेट की होगी हर-तरफ मौजूदगी।
इससे समावेशी विकास की संकल्पना को गति मिलेगी,
अब भारत के हर-तबकों के चेहरों पर हंसी खिलेगी।

डिजिटल साक्षरता से शुरू होगी विकास की यात्रा,
आंकड़ों पर आधारित होगी उत्पादों की मात्रा।
कृषि, विनिर्माण, शिक्षा, स्वास्थ्य हर क्षेत्र का होगा कायाकल्प,
व्यापार की स्वस्थ प्रतिस्पर्धा से जनता को मिलेंगे ढेरों विकल्प।।

डिजिटल इंडिया का कृषि क्षेत्र में होगा अभूतपूर्व योगदान,
कृषि वैज्ञानिक का किसानों से होगा सूचनाओं का शीघ्र आदान-प्रदान।
जब क्षेत्रवार कृषि उत्पादों की ऑनलाइन जानकारी प्राप्त होगी,
तब कृषि उत्पादों की आपूर्ति की समस्या समाप्त होगी।।

डिजिटल इंडिया से शिक्षा और कौशल विकास को मिलेगी आशातीत सफलता,
डिजिटल टेक्स्ट बुक, एनिमेशन, वीडियो से शिक्षा की होगी सर्वत्र उपलब्धता।
शिक्षकों को भी उनके सक्षमता विकास हेतु ऑनलाइन प्रशिक्षण मिलेगा,
बेहतर होगी शिक्षा पद्धति जब शिक्षक-छात्र का सोशल-साइटों पर ग्रुप जुड़ेगा।।

डिजिटल इंडिया का स्वास्थ्य सेवाओं पर होगा व्यापक प्रभाव,
डिजिटलीकरण से स्वास्थ्य सेवाओं का बदलेगा स्वभाव।
स्मार्ट फोन से लैस चिकित्सा उपकरण होंगे प्रभावी,
बुनियादी दैनिक स्वास्थ्य जांच से न होगी कोई बीमारी हावी।।

डिजिटल इंडिया का उद्देश्य है समाज को डिजिटल रूप से सशक्त बनाना,
लालफीता शाही और बिचौलियों से दूर जनता और सरकार को करीब लाना।
देश के ढाई लाख ग्राम-पंचायत जब ऑप्टिकल फाइबर से जुडेंगे,
भारतवासी निरंतर सफलता के नए शिखर पर चढ़ेंगे।।

संपर्क सूत्र :
श्री अनिरुद्ध तिवारी, राजभाषा विभाग
सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना स्रोत संस्थान, डॉ. के. एस. कृष्णन मार्ग,
नई दिल्ली 110012 [ई-मेल : tiwariani970@gmail.com]